वर्ष-9 | अंक 12 | 11 नवम्बर से 17 नवम्बर 2024 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

गोंडवाना एक्सप्रेस की घटना, आरपीएफ के मुंह पर तमाचा

भोपाल में भी अवैध वेंडरों के नाम पर गुंडे पाल रही आरपीएफ

उदय प्रताप सिंह चौहान

एक ओर जहां रेलवे स्टेशनों पर रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) द्वारा अवैध वेंडरों को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक चौंकाने वाला घटनाक्रम सामने आया है। हाल ही में जबलपुर से निजामुद्दीन जा रही गोंडवाना एक्सप्रेस में एक वेंडर ने एसी कोच के अटेंडर को गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब चलती ट्रेन में उस वेंडर और कोच अटेंडर के बीच पानी बेचने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। यह न केवल सुरक्षा के लिहाज से चिंताजनक है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि अवैध वेंडरों के हौसले कितने बुलंद हैं।

■आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आरपीएफ और अवैध वेंडरों के बीच एक पुराना याराना रहा है, जो समय-समय पर चर्चा का विषय बना रहता है। खुरई की हालिया घटना के बाद, भोपाल आरपीएफ ने अपने इस संबंध को लेकर थोड़ी सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है और अब दिखावे की कार्रवाई करने में जुट गई है। दरअसल, भोपाल आईपीएफ के थाना प्रभारी अनिल कुमार भी उन बड़े और पैसे वाले अवैध वेंडरों के मालिकों को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं।

■हालांकि, जब से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ ने भोपाल स्टेशन पर हो रही इस हेरा-फेरी के खेल को उजागर किया है, तब से भोपाल आरपीएफ की गतिविधियों में कुछ बदलाव आया है। अब उनकी उगाई की गाड़ी थोड़ी धीमी हो गई है, लेकिन जैसे ही उन्हें मौका मिलता है, थाना प्रभारी अपने पुराने अंदाज में लौट आते हैं। यह सबकुछ एक पुरानी कहानी की तरह लगने लगा है, क्योंकि अंततः उन्हें भी तो अपने आकाओं तक माल पहुंचाना है।

■इस प्रकार, अवैध वेंडरों पर केवल दिखावे की कार्रवाई करके भोपाल आरपीएफ के थाना प्रभारी अपनी होशियारी का प्रदर्शन करने में लगे हैं। यह स्थिति न केवल रेलवे स्टेशनों पर अव्यवस्था का संकेत देती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जब तक इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक अवैध वेंडरों की गतिविधियां जारी रहेंगी।

भोपाल, इटारसी, बीना से ट्रेनों में चढ़ते हैं अवैध वेंडर्स

■चौंकाने वाली बात यह है कि घटना के दौरान ट्रेन में न तो आरपीएफ के जवान थे और न ही जीआरपी। अवैध वेंडर, यात्रियों के साथ लूटपाट भी करता तो भी उन्हें मदद नहीं मिलती। इन दिनों मंडल के रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में अवैध वेंडर की संख्या हजारों के करीब पहुंच गई है। इनमें अपराधिक प्रवृत्ति के लोग अधिक हैं, जो अपना सामान बेचने के लिए लोगों की जान त क ल

रहे हैं। कुछ समय पूर्व अवैध वेंडर ने आरपीएफ के जवान और टीटीई पर भी हमला कर दिया था।

■इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है और अवैध वेंडरों के खिलाफ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई जा सकती हैं, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए अत्यंत चिंताजनक हैं।

भोपाल आरपीएफ कब करेगी अवैध वेंडरों पर कार्रवाई

भोपाल रेलवे स्टेशन की सुरक्षा की जिम्मेदारी आरपीएफ थाना प्रभारी अनिल कुमार के हाथों में है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि भोपाल रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) इन अवैध वेंडरों से हर महीने लाखों रुपये की राशि वसूल कर रहा है। यह जानकारी इस बात की ओर इशारा करती है कि कैसे कुछ लोग नियमों का उल्लंघन करते हुए रेलवे परिसरों में अवैध रूप से व्यापार कर रहे हैं और इसके पीछे सुरक्षा बल की मिलीभगत हो सकती है। इस स्थिति ने न केवल रेलवे की छवि को धूमिल किया है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। अवैध वेंडिंग के इस कारोबार में संलिप्त लोग न केवल नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि वे यात्रियों को भी असुविधा पहुँचा रहे हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा सख्त कार्रवाई की जाए ताकि इस तरह की गतिविधियों को रोका जा सके और रेलवे परिसरों को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके।

आरपीएफ के लिए सलाह

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखना हर समय प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि यह स्थान न केवल यात्रियों के लिए यात्रा का एक केंद्र है, बल्कि यह उनके लिए एक सुरक्षित वातावरण भी प्रदान करता है। हाल के दिनों में, अवैध वेंडरों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, जो न केवल यात्रियों के लिए असुविधा का कारण बन रहे हैं, बल्कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी एक गंभीर समस्या उत्पन्न कर रहे हैं। इन अवैध वेंडरों की उपस्थिति से न केवल स्टेशन का माहौल बिगड़ता है, बल्कि यह यात्रियों के लिए एक संभावित खतरा भी बन सकता है। ऐसे वेंडर कभी-कभी सामानों की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाते हैं, और यात्रियों को धोखे में डालने का प्रयास करते हैं। इस संदर्भ में, यह सवाल उठता है कि आरपीएफ द्वारा अवैध वेंडरों के खिलाफ कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है। क्या इसके पीछे कोई विशेष कारण है, या फिर प्रशासनिक बाधाएं हैं जो इस कार्रवाई को प्रभावित कर रही हैं? यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यह आवश्यक है कि आरपीएफ इस मामले में त्वरित और प्रभावी कदम उठाए।

आज गढ़ाकोटा स्थिति निज निवास गणनायक मप्र के उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला का आगमन हुआ। तथा क्षेत्र के विकास से सम्बंधित एवं विभिन्न समसायिक विषयों पर चर्चा हुई।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

ईडी के छापे में मिली 85 लाख की डायमंड ज्वेलरी

भोपाल में 25 लाख रुपए जब्त किए; बैंक फ्रॉड भी पकड़ाया

उदय प्रताप सिंह चौहान

भोपाल में मेसर्स एक्सेल व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड और उनके सहयोगियों के यहां की गई छापे की कार्रवाई में 25 लाख रुपए नकद, 85 लाख की डायमंड ज्वेलरी, मोबाइल, भारी मात्रा में आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त की गई है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को भोपाल के चार अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर दस्तावेजों की सर्चिंग की थी। अरेरा कॉलोनी स्थित सीए के निवास और ऑफिस पर दस्तावेज खंगाले गए थे। शुक्रवार को ईडी ने सर्चिंग की डिटेल्स जारी की गई। सर्चिंग में मेसर्स एक्सेल व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड की बैंक धोखाधड़ी भी पकड़ाई है। इसमें माय कार भोपाल की भी भागीदारी पाई गई है। इसके बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत

केस दर्ज किया है।

बैंक ऑफ इंडिया के लोन में किया हेर-फेर बुधवार को हुई छापेमारी के बाद शुक्रवार को ईडी ने बताया-

एक्सेल व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर्स और अन्य ने बैंक ऑफ इंडिया से लिए गए लोन की राशि में हेरफेर किया है। कंपनी ने फंड को अपनी सहयोगी संस्थाओं और संबंधित संस्थाओं को डायवर्ट कर दिया था। जिससे बैंक को 44 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

एक बैंक में गिरवी प्रॉपर्टी दूसरे बैंक में भी गिरवी

ईडी की जांच में पता चला कि एक्सेल व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने 2014 में बैंक ऑफ इंडिया से 42 करोड़ रुपए की क्रेडिट सुविधा हासिल की थी। वर्ष 2017 में खाता एनपीए हो गया। इसके अलावा 2019 में कोटक महिंद्रा बैंक ने बैंक ऑफ इंडिया को मेसर्स एक्सेल व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड की सहयोगी कंपनी मेसर्स माई कार भोपाल ने कोटक महिंद्रा बैंक से ऋण लेने कुछ संपत्तियों को पहले से गिरवी रखने के बारे में भी सूचित किया था। जबकि इन गिरवी रखी गई संपत्तियों को मेसर्स एक्सेल व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड ने भी बैंक ऑफ इंडिया के पास भी गिरवी रखा था। मेसर्स एक्सेल व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड ने फंड की हेराफेरी की है। कंपनी ने अपनी सहयोगी कंपनियों और उनके विक्रेताओं के भुगतान के लिए एनबीएफसी के ऋणों का पुनर्भुगतान उपयोग किया है।

---

8 साल पहले जिसने साले की हत्या की उसका मर्डर

37 सेकेंड में मारी तीन गोलियां; पंजाबी शूटर्स के जरिए सुपारी किलिंग का शक

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर के डबरा में गुरुवार रात जिस तरह से शूटर्स ने जसवंत सिंह सरदार की हत्या की है, उससे पुलिस को आशंका है कि शूटर्स पंजाब से हो सकते हैं। दरअसल, ये पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। इसमें शूटर्स के चेहरे साफ नजर आ रहे हैं। जिस समय वारदात हुई उस समय जसवंत तीन लोगों से बात कर रहा था। पुलिस ने इन तीनों से पूछताछ की है। जिसमें उन्होंने बताया कि शूटर्स का हुलिया सरदारों जैसा था। उन्होंने जब जसवंत को अपने पास बुलाया तो उनके बात करने का लहजा भी पंजाबियों जैसा था। दूसरी तरफ शूटर्स ने बिना समय गंवाए महज 37 सेकेंड में जसवंत की हत्या की और फरार हो गए। इससे पुलिस को शक है कि ये सुपारी किलिंग हो सकती है। परिजन ने भी शक जताया है कि आठ साल पहले जसवंत ने अपने ममेरे साले सुखविंदर की हत्या की थी, इसलिए उसी के परिवार ने सुपारी देकर हत्या कराई है। सुखविंदर का पूरा परिवार अब कनाडा में रहता है। जसवंत की पत्नी के मामा राजविंदर सिंह आठ साल पहले यानी साल 2016 में अपने परिवार के साथ

ग्वालियर के आदित्यपुरम में रहते थे। उनका बड़ा बेटा सतपाल सिंह कनाडा में सैटल था। छोटा बेटा सुखविंदर, पत्नी बलविंदर कौर और 13 साल की बेटी हरमन कौर उन्हीं के साथ रहती थी। 5 फरवरी 2016 को जसवंत सिंह एक शादी में शामिल होने ग्वालियर आया था। रात ज्यादा होने पर वह अपने घर जाने के बजाय मामा ससुर राजविंदर के घर रुक गया था। भांजा दामाद आने की खुशी में मामा-मामी ने उसकी जमकर ख़ातिरदारी की थी। रात को राजविंदर ने उसे अपने बेटे सुखविंदर के कमरे में सुला दिया था। आधी रात को जसवंत ने सुखविंदर की गोली मारकर हत्या कर दी। इसकी किसी को भनक तक नहीं लगी। सुबह उसने ससुर राजविंदर और सास बलविंदर को भी गोली मारी और फरार हो गया। पड़ोसी दोनों को घायल हालत में अस्पताल लेकर गए। जहां दोनों की जान बच गई मगर सुखविंदर की मौत हो गई। 13 साल की हरमन ने किचन में छिपकर बचाई थी जा राजविंदर की बेटी हरमन गोलीबारी की आवाज सुनकर सीधे रसोई में गई और रेफ्रिजरेटर के पीछे जाकर छिप गई थी। गोलीबारी करने वाले जसवंत ने उसकी तलाश की, लेकिन वो नहीं मिली। लिहाजा जसवंत वहां से फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश में भिंड, डबरा और दिल्ली में भी दबिश दी थी लेकिन सुराग नहीं मिला था। इसके बाद ग्वालियर के तत्कालीन एसपी हरिनारायणचारी मिश्रा ने जसवंत की गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

नपद मैनपुरी के करहल विधान सभा क्षेत्र की सुशासनप्रिय और राष्ट्रवादी जनता अपना वोट रूपी आशीर्वाद भाजपा को प्रदान करने जा रही है।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

देर रात सेलिब्रेट कर लौट रहे थे, विवाद हुआ तो दोस्त के साथ आए युवक ने मारी छूरी

जन्मदिन मनाने गए थे दोस्त, विवाद में साथी की हत्या

न्यूज क्राइम फाइल

दोस्त का बर्थडे मनाकर लौट रहे युवक की गुरुवार देर रात चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना छोला थाना क्षेत्र की है। देर रात जब सभी दोस्त वापस लौट रहे थे, तब आपसी विवाद के चलते एक दोस्त ने दूसरे को छुरी मार दी। अन्य दोस्तों ने घायल विनीत सेन (24) को अस्पताल पहुंचाया, जहां अधिक खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। घटना छोला मंदिर थाना क्षेत्र के जिंदल अस्पताल के पास की है। शुक्रवार को हमीदिया अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, अस्पताल से सूचना मिलने पर मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं अजय खटीक सहित अन्य 7 आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। घटना के बाद से सभी फरार हैं, जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जन्मदिन मनाने रायसेन के मंदिर गए थे

मृतक युवक के भाई भगवत सेन के मुताबिक विनित सेन (23) पुत्र संतोष कुमार सेन गुरुवार को अपने 6-7 दोस्तों के साथ एक दोस्त गोलू का जन्मदिन मनाने रायसेन स्थित मंदिर में गया था। वहां से वो देर रात वापिस लौट रहा था। इस दौरान उसके साथ गए एक अन्य दोस्त का दोस्त अजय खटीक निवासी भानपुर बिहारी कॉलोनी, से कहासुनी हो गई। अजय ने अपने साथियों को फोन करके बुला लिया, जो धारदार हथियार लेकर आए और

बाकी दोस्तों को भगा दिया। भगवत ने बताया कि आरोपी अजय और उसके साथियों ने विनीत पर हमला किया और उसके पैर पर धारदार हथियार से वार किया, जिससे उसका पैर बुरी तरह घायल हो गया और काफी खून बहने लगा। इसके बाद सभी आरोपी फरार हो गए।

ऑटो वाले ने बताई एक्सीडेंट की बात

मृतक के भाई भगवत सेन ने बताया कि घटना के बाद विनीत के साथ गए ऑटो वाले ने फोन कर एक्सीडेंट की बात कही और बताया कि वह विनीत को हमीदिया अस्पताल लेकर जा रहा है। भगवत तुरंत हमीदिया पहुंचा, जहां उसे घटना की जानकारी मिली। जब भगवत हॉस्पिटल पहुंचा तो डॉक्टरों ने विनीत को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद वह और अन्य परिजन रात को ही छोला मंदिर थाने पहुंचे और आरोपियों की जानकारी दी। भगवत ने बताया कि आरोपी अजय उसके भाई का परिचित नहीं था; वह ऑटो वाले के साथ आया था, जो उसका दोस्त था। दोनों के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ, इसका अभी पता नहीं चला है।

यह है पूरा घटनाक्रम

पुलिस के अनुसार, रात करीब 12 बजे मामूली बहस और गाली-गलौच के बाद दोनों पक्षों ने अपने-अपने दोस्तों और परिजनों को बुला लिया। दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हुई, और इसी दौरान आरोपियों ने विनीत पर चाकू से हमला कर दिया। धारदार हथियार से पैर और कमर पर चोट लगने से तेजी से खून बहने लगा, जिससे विनीत बेसुध हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद अजय खटीक, उसका भाई अमन खटीक और अन्य दोस्त फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल विनीत को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ महिलाओं ने खोला मोर्चा

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के बैरसिया रोड स्थित रायपुर गांव की महिलाओं ने अवैध शराब की बिक्री को लेकर मोर्चा खोल दिया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन जाट के सामने उन्होंने प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम की बात कही। बता दें, शराब की अवैध बिक्री को लेकर शुक्रवार को भी प्रदर्शन किया गया था। वही इसके पहले भी सरपंच दारा सिंह ने कलेक्टर और एसपी से लिखित शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की थी। बैरसिया जनपद क्षेत्र के कई गांवों में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है, जो बंद होनी चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो ग्रामीणों के साथ चक्का जाम करेंगे। सरपंच दारा सिंह ने कलेक्टर-एसपी को लिखे लेटर में बताया कि रायपुर में अवैध शराब बिक रही है। सस्ती कीमत पर बेचे जाने से गांव के कई महिला-पुरुष नशे की चपेट में है। इस कारण घरों में न सिर्फ विवाद बढ़ रहे हैं बल्कि लड़ाई-झगड़े जैसे कई अपराध भी बढ़े हैं। इसलिए पुलिस और आबकारी विभाग का अमला चेकिंग करके अवैध शराब बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। जिला पंचायत उपाध्यक्ष जाट ने बताया कि शुक्रवार को महिलाओं ने गांव में प्रदर्शन किया है, वे भी गांव पहुंचे और बात की। महिलाओं का कहना है कि पूरे गांव में अवैध शराब की बिक्री हो रही है। पुलिस और आबकारी विभाग की टीम कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। इस कारण कई युवा नशे की चपेट में है, शनिवार को भी महिलाओं ने प्रदर्शन किया।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कांग्रेस और उसके साथियों ने आर्टिकल-370 को फिर से बहाल करने का प्रस्ताव पास किया है!
प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा मध्यप्रदेश

आलेख

भारत के रतन का जाना...

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

आज श्री रतन टाटा जी के निधन को एक महीना हो रहा है। पिछले महीने आज के ही दिन जब मुझे उनके गुजरने की खबर मिली, तो मैं उस समय आसियान समिट के लिए निकलने की तैयारी में था। रतन टाटा जी के हमसे दूर चले जाने की वेदना अब भी मन में है। इस पीड़ा को भुला पाना आसान नहीं है। रतन टाटा जी के तौर पर भारत ने अपने एक महान सपूत को खो दिया है...एक अमूल्य रत्न को खो दिया है। आज भी शहरों, कस्बों से लेकर गांवों तक, लोग उनकी कमी को गहराई से महसूस कर रहे हैं। हम सबका ये दुख साझा है। चाहे कोई उद्योगपति हो, उभरता हुआ उद्यमी हो या कोई प्रोफेशनल हो, हर किसी को उनके निधन से दुख हुआ है। पर्यावरण रक्षा से जुड़े लोग...समाज सेवा से जुड़े लोग भी उनके निधन से उतने ही दुखी हैं। और ये दुख हम सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में महसूस कर रहे हैं। युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य ऐसा नहीं जिसे प्राप्त नहीं किया जा सके। रतन टाटा जी ने सबको सिखाया है कि विनम्र स्वभाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए भी सफलता पाई जा सकती है। रतन टाटा जी, भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे। वो विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा जैसे मूल्यों के अडिग प्रतिनिधि थे। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह दुनिया भर में सम्मान, ईमानदारी और विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। इसके बावजूद, उन्होंने अपनी उपलब्धियों को पूरी विनम्रता और सहजता के साथ स्वीकार किया। दूसरों के सपनों का खुलकर समर्थन करना, दूसरों के सपने पूरा करने में सहयोग करना, ये श्री रतन टाटा के सबसे शानदार गुणों में से एक था। हाल के वर्षों में, वो भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का मार्गदर्शन करने और भविष्य की संभावनाओं से भरे उद्यमों में निवेश करने के लिए जाने गए। उन्होंने युवा आंत्रप्रेन्योर की आशाओं और आकांक्षाओं को समझा, साथ ही भारत के भविष्य को आकार देने की उनकी क्षमता को पहचाना। भारत के युवाओं के प्रयासों का समर्थन करके, उन्होंने नए सपने देखने वाली नई पीढ़ी को जोखिम लेने और सीमाओं से परे जाने का हौसला दिया। उनके इस कदम ने भारत में इनोवेशन और आंत्रप्रेन्योरशिप की संस्कृति विकसित करने में बड़ी मदद की है। आने वाले दशकों में हम भारत पर इसका सकारात्मक प्रभाव जरूर देखेंगे। रतन टाटा जी ने हमेशा बेहतरीन क्वालिटी के प्रॉडक्ट...बेहतरीन क्वालिटी की सर्विस पर जोर दिया और भारतीय उद्यमों को ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित करने का रास्ता दिखाया। आज जब भारत 2047 तक विकसित होने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तो हम ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित करते हुए ही दुनिया में अपना परचम लहरा सकते हैं। मुझे आशा है कि उनका ये विजन हमारे देश की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और भारत वर्ल्ड क्लास क्वालिटी के लिए अपनी पहचान मजबूत करेगा। रतन टाटा जी की महानता बोर्डरूम या सहयोगियों की मदद करने तक ही सीमित नहीं थी। सभी जीव-जंतुओं के प्रति उनके मन में करुणा थी। जानवरों के प्रति उनका गहरा प्रेम जगजाहिर था और वे पशुओं के कल्याण पर केन्द्रित हर प्रयास को बढ़ावा देते थे। वो अक्सर अपने डॉग्स की तस्वीरें साझा करते थे, जो उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा थे। मुझे याद है, जब रतन टाटा जी को लोग आखिरी विदाई देने के लिए उमड़ रहे थे...तो उनका डॉग 'गोवा' भी वहां नम आंखों के साथ पहुंचा था। रतन टाटा जी का जीवन इस बात की याद दिलाता है कि लीडरशिप का आकलन केवल उपलब्धियों से ही नहीं किया जाता है, बल्कि सबसे कमजोर लोगों की देखभाल करने की उसकी क्षमता से भी किया जाता है। रतन टाटा जी ने हमेशा, नेशन फर्स्ट की भावना को सर्वोपरि रखा। 26/11 के आतंकवादी हमलों के बाद उनके द्वारा मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल को पूरी तत्परता के साथ फिर से खोलना, इस राष्ट्र के एकजुट होकर उठ खड़े होने का प्रतीक था। उनके इस कदम

ने बड़ा संदेश दिया कि – भारत रुकेगा नहीं...भारत निडर है और आतंकवाद के सामने झुकने से इनकार करता है। व्यक्तिगत तौर पर, मुझे पिछले कुछ दशकों में उन्हें बेहद करीब से जानने का सौभाग्य मिला। हमने गुजरात में साथ मिलकर काम किया। वहां उनकी कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर निवेश किया गया। इनमें कई ऐसी परियोजनाएं भी शामिल थीं, जिसे लेकर वे बेहद भावुक थे। जब मैं केन्द्र सरकार में आया, तो हमारी घनिष्ठ बातचीत जारी रही और वो हमारे राष्ट्र-निर्माण के प्रयासों में एक प्रतिबद्ध भागीदार बने रहे। स्वच्छ भारत मिशन के प्रति श्री रतन टाटा का उत्साह विशेष रूप से मेरे दिल को छू गया था। वह इस जन आंदोलन के मुखर समर्थक थे। वह इस बात को समझते थे कि स्वच्छता और स्वस्थ आदतें भारत की प्रगति की दृष्टि से कितनी महत्वपूर्ण हैं। अक्टूबर की शुरुआत में स्वच्छ भारत मिशन की दसवीं वर्षगांठ के लिए उनका वीडियो संदेश मुझे अभी भी याद है। यह वीडियो संदेश एक तरह से उनकी अंतिम सार्वजनिक उपस्थितियों में से एक रहा है। कैंसर के खिलाफ लड़ाई एक और ऐसा लक्ष्य था, जो उनके दिल के करीब था। मुझे दो साल पहले असम का वो कार्यक्रम याद आता है, जहां हमने संयुक्त रूप से राज्य में विभिन्न कैंसर अस्पतालों का उद्घाटन किया था। उस अवसर पर अपने संबोधन में, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि वो अपने जीवन के आखिरी वर्षों को हेल्थ सेक्टर को समर्पित करना चाहते हैं। स्वास्थ्य सेवा एवं कैंसर संबंधी देखभाल को सुलभ और किफायती बनाने के उनके प्रयास इस बात के प्रमाण हैं कि वो बीमारियों से जूझ रहे लोगों के प्रति कितनी गहरी संवेदना रखते थे। मैं रतन टाटा जी को एक विद्वान व्यक्ति के रूप में भी याद करता हूं - वह अक्सर मुझे विभिन्न मुद्दों पर लिखा करते थे, चाहे वह शासन से जुड़े मामले हों, किसी काम की सराहना करना हो या फिर चुनाव में जीत के बाद बधाई सन्देश भेजना हो। अभी कुछ सप्ताह पहले, मैं स्पेन सरकार के राष्ट्रपति श्री पेड्रो सान्चेज के साथ वडोदरा में था और हमने संयुक्त रूप से एक विमान फैक्ट्री का उद्घाटन किया। इस फैक्ट्री में सी-295 विमान भारत में बनाए जाएंगे। श्री रतन टाटा ने ही इस पर काम शुरू किया था। उस समय मुझे श्री रतन टाटा की बहुत कमी महसूस हुई। आज जब हम उन्हें याद कर रहे हैं, तो हमें उस समाज को भी याद रखना है जिसकी उन्होंने कल्पना की थी। जहां व्यापार, अच्छे कार्यों के लिए एक शक्ति के रूप में काम करे, जहां प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता को महत्व दिया जाए और जहां प्रगति का आकलन सभी के कल्याण और खुशी के आधार पर किया जाए। रतन टाटा जी आज भी उन जिंदगियों और सपनों में जीवित हैं।

संपादकीय

विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव अंधेरों की आहट

नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुर्नबहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात-घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नही है। ऐसा लगता है कि जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गयी है। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोढ़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषतः लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए।

गातार मेरे किसान भाइयों को खाद के लिए लाइनों में खड़े रखने वाली और लाठियों से पिटवाने वाली पार्टी के अध्यक्ष से मेरे कुछ सवाल।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

व्यापारी को हनीट्रैप

15 लाख ठगे, युवतियां आपस में बहनें पुलिस ने कहा पूछताछ जारी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में व्यापारी को हनी ट्रैप में फंसाकर 15 लाख रुपए ठगने वाली दोनों युवतियां आपस में बहनें हैं। फिलहाल पूछताछ जारी है। महिला थाना पुलिस के मुताबिक करीब 3 साल पहले व्यापारी और दोनों युवतियां संपर्क में आए थे। तीनों में अच्छी दोस्ती के बाद मुलाकात शुरू हो गई। शिकायत के बाद राजधानी की महिला थाना पुलिस ने इन दो ब्लैकमेलर युवतियों को गिरफ्तार किया है।

47 वर्षीय विवाहिता ने थाने में आकर की थी शिकायत

पुलिस ने बताया कि 47 वर्षीय विवाहिता ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उसने बताया कि वह मूल रूप से नरसिंहपुर जिले की रहने वाली है। अभी पति और परिवार के साथ शीतल धाम मिसरोद में रहती है। कई दिनों से उसके पति आर्थिक रूप से परेशान हैं। परिवार भी आर्थिक तंगी में घिरता जा रहा था। शुरुआत में तो पति से कुछ नहीं पूछा लेकिन लगातार काम करने के बाद भी पैसों की परेशानी और पति के तनाव में रहने के कारण उनसे बातचीत की। तब पति ने बताया कि दो युवतियों ने उनका आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए हैं। वे सोशल मीडिया पर वायरल करने और समाज में बदनाम करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर महंगी चीजों की डिमांड करती है। बदनामी के डर से वह उनकी डिमांड पूरी कर रहा था। इस दौरान दोनों युवतियां ब्लैकमेल कर करीब 15 लाख रुपए ले चुकी है। दोनों वीडियो वायरल करने की धमकी लगातार दे रही है।

भोपाल स्टेशन अब नहीं मिलेगा 5 रुपए में आरओ वॉटर

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल स्टेशन पर मौजूद 12 वॉटर वेंडिंग मशीनें बंद हो गई हैं, जिससे अब हजारों यात्रियों को 5 रुपए में मिलने वाला आरओ वॉटर नहीं मिलेगा। अब ठंडे पानी के लिए स्टेशनों पर केवल पैक बॉटल उपलब्ध रहेगी। इससे पहले ठंडा पानी स्टेशन पर लगी वॉटर वेंडिंग मशीनों से मिलता था। बताया जा रहा है कि ठेकेदार ने किन्हीं कारणों से इन्हें बंद करने के लिए रेलवे को आवेदन दिया है, जिसके बाद करीब एक सप्ताह से ये मशीनें स्टेशन पर बंद हैं। रेलवे के अनुसार, जल्द ही नई मशीनों की व्यवस्था की जा रही है।

43 में से 12 मशीने हो रही बंद

भोपाल रेल मंडल के 8 स्टेशनों पर 43 वॉटर वेंडिंग मशीनें लगी थीं, जिनमें से भोपाल स्टेशन की 12 मशीनें बंद हो गई हैं। यानी अब ठंडे पानी के लिए स्टेशनों पर केवल पैक बॉटल ही उपलब्ध रहेगी। बता दें कि वॉटर वेंडिंग मशीनों पर एक लीटर पानी की कीमत 5 रुपए और बॉटल के साथ 7 रुपए थी, जबकि रेल नीर व अन्य ब्रांड की पैक बॉटल की कीमत 15-20 रुपए तक होती है।

मार्च 2024 में तीन साल बाद शुरू हुईं थीं मशीनें

भोपाल स्टेशन पर करीब तीन साल बाद मार्च 2024 में यह सुविधा यात्रियों के लिए शुरू की गई थी। रेलवे ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए यह इंतजाम किया था। प्राइवेट फर्म को

इसका कॉन्ट्रैक्ट 1 करोड़ 93 लाख रुपए में वर्ष 2028 तक के लिए दिया गया था। हर प्लेटफॉर्म पर दो-दो यानी कुल 12 मशीनें भोपाल स्टेशन पर लगाई गई थीं।

किस स्टेशन पर कितनी मशीनें

भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों के अनुसार, मंडल के 8 स्टेशनों पर 43 मशीनें हैं। इसमें भोपाल स्टेशन पर 12, इटारसी स्टेशन पर 15, विदिशा स्टेशन पर 2, हरदा स्टेशन पर 2, बीना स्टेशन पर 8, गुना स्टेशन पर 2 और गंजबासौदा पर 1 मशीन लगी थी। इनमें ऑटोमेटिक और मैनुअल दोनों तरह की मशीनें शामिल थीं। फिलहाल, भोपाल स्टेशन की मशीनें बंद की जा रही हैं, अन्य स्टेशनों पर यह सुविधा अभी भी चालू है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455
email: newscrimefile@yahoo.com

कांग्रेसी चाहे दस बार कान पकड़कर उठक-बैठक करें, लेकिन तब भी उनके पापों को कभी माफ नहीं किया जा सकता...
मोहन यादव- सीएम मप्र

सिर फटा, आंख दीवार में चिपकी; परिजन ने मोबाइल पर बात करने से रोका था

रिटायर्ड फौजी ने खुद को गोली मारकर किया सुसाइड

न्यूज क्राइम फाइल

शिवपुरी में आर्मी से रिटायर्ड फौजी ने 78 साल की उम्र में लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। उन्होंने मुंह के नीचे बंदूक रखकर फायर कर दिया। इससे उनका सिर फट गया और आंख दीवार पर चिपक गई। परिजन ने उन्हें फोन पर बात करने से मना किया था। जिसके बाद उन्होंने ये कदम उठाया। घटना शुक्रवार रात 9 बजे के बाद की है। कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक एक्सपर्ट रात में ही मौके पर पहुंचे। यहां घटना स्थल की बारीकी से जांच की। पुलिस ने शव मर्चुरी में रखवा दिया। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम होने के बाद परिजन को सौंपा गया।

बेटे ने कहा- चिड़चिड़े और गुस्सैल हो गए थे

रिटायर्ड फौजी लखन परिहार के बेटे महेंद्र प्रताप ने बताया कि वे आर्मी की ड्यूटी के दौरान सीखे नियमों और उसूलों को आज भी मानते थे। सिविल लाइफ और आर्मी मैन की लाइफ में काफी अंतर होने के चलते वह चिड़चिड़े और गुस्सैल हो गए थे।

मोबाइल लेने के बाद मार ली थी गोली

बेटे महेंद्र ने बताया कि शुक्रवार रात पिता अपने कमरे थे। वह रात 9 बजे फोन पर बात कर रहे थे तभी परिवार के सदस्य ने उनसे फोन पर बात न करने की बात कहते हुए मोबाइल ले लिया था। इसके कुछ देर बाद उन्होंने 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। घर पर मृतक की पत्नी, पुत्र अरुण परिहार व पुत्रवधू मौजूद थीं। परिवारवालों का कहना है कि वे फोन पर बात कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें मना किया था। मोबाइल ले लेने पर से गुस्से में गोली मार ली। लाइसेंसी बंदूक मृतक लखन सिंह के नाम पर ही है।

1988 में हुए थे रिटायर, इसके बाद की गार्ड की नौकरी

लखन परिहार आर्मी में नायक के पद पर पदस्थ थे। साल 1988 में वह रिटायर हो गए थे। बाद में उन्होंने आकाशवाणी शिवपुरी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी की थी। यहां उन्होंने 2012 तक सिक्योरिटी की नौकरी की थी। इसके बाद वे करैरा रहने लगे थे। कोरोना काल खत्म होने के बाद उन्होंने शिवपुरी शहर के सेंट चार्ल्स स्कूल के पीछे मकान बनवा लिया था और अपनी पत्नी छोटे बेटे और बहू के साथ रहने लगे थे। लखन परिहार के दो बड़े बेटे भी हैं जो बाहर रहकर नौकरी करते हैं।

नाबालिग छात्रा से बचपन के दोस्त ने किया रेप

शादी के लिए धर्म परिवर्तन करने बनाया दबाव; आरोपी फरदीन गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर में एक छात्रा से बचपन के दोस्त द्वारा रेप और फिर शादी के लिए धर्मांतरण का दबाव डालने का मामला सामने आया है। छात्रा की शिकायत पर माढ़ोताल पुलिस ने 21 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। युवक मैहर जिले का रहने वाला जो कि जबलपुर के एक निजी कॉलेज में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। वही पीड़ित 17 वर्षीय छात्रा भी मैहर की है जो कि जबलपुर में बीटेक फस्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी। छात्रा ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले फरदीन से उसकी बचपन से दोस्ती थी, जो कि बाद में प्यार में बदल गई थी।

स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद दोनों आ गए जबलपुर

जानकारी के मुताबिक छात्रा जब 13 साल की थी, उस दौरान वह मैहर के एक स्कूल में पढ़ाई करती थी, वही फरदीन खान भी पढ़ा करता था। दोनों की दोस्ती हुई और फिर प्यार तक पहुंच गई। 2022 में स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद फरदीन मैहर से जबलपुर आ गया और बीटेक की पढ़ाई करने लगा। 2023 में छात्रा ने भी जबलपुर के एक कॉलेज में एडमिशन लिया और बीटेक करने लगी। दोनों जबलपुर में ही रहकर पढ़ाई कर रहे थे।

परिजनों के साथ जाकर की शिकायत

स्कूल टाइम की दोस्ती कॉलेज में भी चलती रही। दोनों का

मिलना जारी रहा। इस दौरान उनके बीच संबंध भी बने। पीड़िता का आरोप है कि प्यार करने के बाद शादी का झांसा देकर फरदीन ने कई बार उसके साथ रेप किया और फिर धर्मांतरण करने का दबाव भी बनाया। लड़की ने जब मना किया तो उसके साथ बहस करते हुए यह कह दिया कि अगर शादी करना है तो धर्म परिवर्तन करना ही होगा। छात्रा कॉलेज से छुट्टी लेकर अपने घर मैहर चली गई। जहां उसने माता-पिता को अपने साथ हुई पूरी घटना बताई। 4 दिन पहले छात्रा के माता-पिता जबलपुर पहुंचे, जहां उन्होंने फरदीन के खिलाफ शादी का झांसा देकर रेप और जबरन धर्म परिवर्तन के दबाव बनाने का आरोप लगाया।

स्कूल से घर लौटकर 9वीं के छात्र ने पीया फिनाइल

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर में केंद्रीय विद्यालय में 9वीं के एक छात्र ने स्कूल से घर लौटकर फिनाइल पीकर सुसाइड का प्रयास किया। गंभीर हालत में परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। अभी उसकी हालत खतरे से बाहर है। छात्र की जेब में एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें उसने दो टीचरों पर फेल करने की धमकी देने का आरोप लगाया। मामला शुक्रवार दोपहर का है। शनिवार को अस्पताल की सूचना पर पुलिस और तहसीलदार वहां पहुंचे। यहां छात्र के बयान के आधार पर स्कूल के टीचर और मैडम के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। पुलिस दोनों टीचर्स से पूछताछ करेगी। मैं 9वीं कक्षा का छात्र हूं। मुझे मेरी मैम रश्मि गुप्ता और दिवाकर सर परेशान और टॉर्चर करते हैं। रश्मि मैम मुझे परीक्षा में फेल करने की धमकी देती हैं। मैं इनसे परेशान होकर यह कदम उठा रहा हूं। मेरे इस कदम के जिम्मेदार रश्मि मैम और दिवाकर सर रहेंगे। 14 साल का पीड़ित छात्र ग्वालियर के डीडी नगर का रहने वाला है। वह भिंड रोड पर स्थित केंद्रीय विद्यालय 2 में 9वीं में पढ़ता है। शुक्रवार सुबह वह स्कूल गया था।

पावन नगरी नासिक की जनसभा में मिले अभूतपूर्व आशीर्वाद से साफ है कि महाराष्ट्र ने भाजपा-एनडीए की सरकार बनाने का पक्का इरादा कर लिया है।

प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

भारत ने 61 रन से जीता पहला टी-20

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सैमसन की सेंचुरी; चक्रवर्ती और बिश्नोई को 3-3 विकेट

न्यूज क्राइम फाइल

भारत ने साउथ अफ्रीका को पहले टी-20 में 61 रन से हरा दिया। डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। संजू सैमसन की सेंचुरी के दम पर भारत ने 202 रन बनाए। साउथ अफ्रीका 17.5 ओवर में 141 रन बनाकर सिमट गया। भारत से रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती ने 3-3 विकेट लिए। साउथ अफ्रीका से जेराल्ड कूट्जी ने 3 विकेट लिए, उन्होंने बैट से 23 रन भी बनाए। पहला टी-20 जीतकर भारत ने 4 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच 10 नवंबर को केबेरा में खेला जाएगा। प्लेयर ऑफ द मैच भारत के विकेटकीपर बैटर संजू सैमसन ने पावरप्ले से साउथ अफ्रीका पर दबाव बनाया। उन्होंने अफ्रीकी बॉलर्स की कमजोर गेंदों पर बड़े शॉट लगाए और भारत का स्कोरिंग रेट तेज रखा। उन्होंने 7 चौके और 10 छक्के लगाकर 107 रन की पारी खेली। मुश्किल पिच पर खेली गई इस पारी के लिए सैमसन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। तिलक वर्मा: टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 90 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से तिलक ने सैमसन के साथ 77 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर तेजी से 160 के पार पहुंचा दिया। तिलक ने 18 गेंद पर 33 रन बनाए रवि बिश्नोई- क्लासन और मिलर जैसे फिनिशर्स के सामने बिश्नोई ने कसी हुई गेंदबाजी की और शुरुआती 3 ओवर में 15 ही रन दिए। उन्होंने 3 विकेट लिए और साउथ अफ्रीका को बैकफुट पर धकेल दिया वरुण चक्रवर्ती- साउथ अफ्रीका 203 के टारगेट के सामने भी तेजी से रन बना रहा था। चक्रवर्ती ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में तेजी से बैटिंग कर रहे रायन रिकेलटन को कैच आउट कराया। उन्होंने फिर हेनरिक क्लासन और डेविड मिलर को एक ही ओवर में पवेलियन भेजकर मैच भारत की झोली में डाल दिया। फाइटर ऑफ द मैच साउथ अफ्रीका के लिए पहला विकेट जेराल्ड कूट्जी ने लिया, उन्होंने अभिषेक शर्मा को पवेलियन भेजा था। कूट्जी ने फिर डेथ ओवर्स में हार्दिक पंड्या और रिंकू सिंह को खुलकर शॉट्स नहीं खेलने दिए। कूट्जी ने दोनों को पवेलियन भी भेजा। 3 विकेट लेने के बाद कूट्जी ने बैट से 11 ही गेंदों पर 3 छक्के लगाकर 23 रन बनाए। टर्निंग पॉइंट सैमसन ने अपनी सेंचुरी से भारत को पहले ही मैच में हावी कर दिया था। दूसरी पारी में फिर क्लासन और मिलर सेट हो चुके थे। यहां चक्रवर्ती 12वां ओवर फेंकने आए, उन्होंने एक ही ओवर में दोनों सेट बैटर्स को पवेलियन भेजा और मैच होम टीम के हाथ से खींच लिया। दोनों के विकेट के बाद टीम ने 54 रन बनाने में आखिरी 5 विकेट गंवा दिए। सैमसन की लगातार दूसरे टी-20 में सेंचुरी टीम इंडिया ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट खोकर 202 रन बनाए। टीम ने संजू सैमसन की सेंचुरी के दम 15 ओवर के बाद 3 विकेट खोकर 167 रन बना लिए थे। सैमसन 107 रन बनाकर आउट हुए। सैमसन ने लगातार दूसरे टी-20 में सेंचुरी लगाई, इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने हैदराबाद में शतक लगाया था। वह लगातार 2 टी-20 में सेंचुरी लगाने वाले पहले ही भारतीय और ऐसा करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बने। सैमसन के

विकेट के बाद भारत आखिरी 26 गेंद में 27 रन ही बना सका। टीम से तिलक वर्मा ने 33 और सूर्यकुमार यादव ने 21 रन बनाए। साउथ अफ्रीका से जेराल्ड कूट्जी ने 3 विकेट लिए। केशव महाराज, एन पीटर, पैट्रिक क्रूगर और मार्को यानसन को 1-1 विकेट मिला। एक बैटर रनआउट हुआ। शुरुआत से बिखरती चली गई होम टीम 203 रन के टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका टीम 18वें ओवर में ही सिमट गई। आवेश खान ने ओवर की पांचवीं गेंद पर केशव महाराज को बोल्ड किया। टीम 141 रन के स्कोर पर सिमट गई। इसी के सथ भारत ने 61 रन से पहला टी-20 जीत लिया। साउथ अफ्रीका से हेनरिक क्लासन 25, जेराल्ड कूट्जी 23, रायन रिकेलटन 21, डेविड मिलर 18, मार्को यानसन 12, ट्रिस्टन स्टब्स 11, एंडिले सिमेलेन 6, केशव महाराज 5, पैट्रिक क्रूगर 1, एन पीटर 5 और ऐडन मार्करम 8 रन बनाकर आउट हुए। भारत से रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती ने 3-3 विकेट लिए।

चार दिन में 2.50 लाख करोड़ बढ़ी मस्क की नेटवर्थ

ट्रंप की जीत के बाद 24.58 लाख करोड़ रुपए हुई, चुनाव में सबसे बड़े समर्थक रहे

न्यूज क्राइम फाइल

अमेरिकी चुनावों में रिपब्लिकन उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद उनके सबसे बड़े सपोर्टर इलॉन मस्क की नेटवर्थ करीब 2.27 लाख करोड़ रुपए बढ़ी। इलेक्शन के एक दिन पहले (5 नवंबर) मस्क की नेटवर्थ 22.31 लाख करोड़ रुपए थी जो नतीजों के एक दिन बाद यानी 7 नवंबर को 24.58 लाख करोड़ रुपए हो गई। टेस्ला, स्पेस ङ्क और स्टार लिंक के मालिक इलॉन मस्क 2024 राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे।

मस्क के इलेक्शन कैंपेन में 119 बिलियन डॉलर दिया

ट्रंप के इलेक्शन कैंपेन में मस्क ने 119 बिलियन डॉलर (करीब 10 लाख करोड़ रुपए) खर्च किया और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर उनके सपोर्ट में कैंपेन और प्रमोसन किया। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, इलेक्शन रिजल्ट के बाद मस्क कंपनी के शेयर में उछाल के बाद उनकी नेटवर्थ 26.5 बिलियन डॉलर बढ़कर 290 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई।

चार दिन में 22त्न चढ़ा टेस्ला का शेयर

टेस्ला के शेयर में 8 नवंबर को 3त्न की तेजी रही और यह

296.95 के स्तर पर बंद हुआ। चुनाव से एक दिन पहले यानी 4 नवंबर से यह 242.84 डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। तब से इसमें 21.92त्न से ज्यादा की तेजी आई है। 7 नवंबर को यह 288.53 के स्तर पर पहुंच गया था। 6 नवंबर को यह 18.81त्न ऊपर 288.53 डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं इलॉन मस्क

इलॉन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट के अनुसार 7 नवंबर के इनकी नेटवर्थ 24.58 लाख करोड़ रुपए थी। 8 नवंबर को इसमें थोड़ी गिरावट रही और यह 24.49 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। मस्क के बाद इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर अमेजन के जेफ बेजोस हैं इनकी नेटवर्थ 19.15 लाख करोड़ रुपए है। लिस्ट में तीसरे नंबर पर ओरेकल के लैरी एलिसन और चौथे नंबर पर मेटा के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग हैं।

2020 से 2024 के बीच 8 गुना बढ़ी मस्क की नेटवर्थ

2015 से 2020 के बीच इलॉन मस्क की नेटवर्थ दो गुना बढ़कर 12 बिलियन डॉलर से 24.60 बिलियन डॉलर तक गई। लेकिन 2020 के बाद इसमें करीब 8 गुना की बढ़ोतरी हुई 2022 में यह 219 बिलियन डॉलर पर पहुंची। 2024 में मस्क की टोटल संपत्ति की वैल्यू 195 बिलियन डॉलर है।

वोट बैंक के लालच में झारखंड को घुसपैठियों का अड्डा बना रही हेमंत सोरेन सरकार को प्रदेश की जनता सबक सिखाने जा रही है। पोटका की जनसभा को संबोधित कर रहा हूँ।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

बुधनी में 10 साल में एक ईंट भी नहीं लगी

कार्तिकेय ने किया पलटवार; पटवारी ने कहा था- 20 साल में शिवराज ने 20 काम भी नहीं किए

न्यूज क्राइम फाइल

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान ने बुधनी के विकास को लेकर कांग्रेस के हमले पर पलटवार किया है। बुधनी में एक चुनावी सभा का वीडियो कार्तिकेय ने एक्स पर अपलोड किया है। कहा- दिग्विजय सिंह की सरकार के समय बुधनी में कांग्रेस का एक विधायक था। कांग्रेसी चाहते तो तब भी कई विकास कार्य कर सकते थे लेकिन अपने जमाने में जो एक नलका नहीं लगा पाए, एक टूटी ईंट नहीं लगा पाए, वे हवा महल बनाने आए हैं। कार्तिकेय ने कहा कि विकास की गाथा 2003 में शुरू हुई थी जिसे आप सबके आशीर्वाद से आगे बढ़ाने का काम शुरू हुआ था वह विकास अभी खत्म नहीं हुई है। इसे मोहन यादव सरकार आगे बढ़ा रही है। जिनके घर के लोगों ने उन पर विश्वास नहीं किया वे आज आपके बीच आकर विश्वास और विकास की बात कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता आपके बीच आकर तरह तरह की बातें कर रहे हैं। इक्के-दुक्के कांग्रेसियों को छोड़ दें तो अधिकांश ऐसे हैं जो अपनी ही विधानसभा में जीतने की स्थिति में नहीं हैं।

पटवारी ने कहा था- 20 साल में शिवराज ने 20 काम भी नहीं किए

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पिछले दिनों बुधनी में चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि 20 साल में शिवराज सिंह ने बुधनी के लिए 20 काम भी नहीं किए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, अगर आपका घर भी बुधनी में होता तो आपका पक्का मकान नहीं होता। बिजली और पानी की समस्या लगातार बनी रहती। आप खाद के लिए लगातार संघर्ष करते, पंचायत में सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए रोज चक्कर काटते और प्रताड़ना में जीवन व्यतीत कर रहे होते। जिनका घर बुधनी में है, वे अपनी किस्मत को ही कोस रहे हैं। आपको तो ईश्वर का धन्यवाद करना चाहिए कि आपका घर बुधनी में नहीं है। पटवारी ने एक सभा में यह भी कहा है कि भाजपा कार्यकर्ता किशोरी लाल की स्थिति अत्यंत दयनीय है। किशोरी लाल वर्षों से आवास के इंतजार में हैं और दिव्यांग बेटी के साथ उनका जीवन-यापन बेहद कठिन हो गया है। यह चुनाव ऐसे कई लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण है। गरीबों को उनका हक दिलाना है तो भाजपा पर लगाम लगानी होगी।

चांदी के कड़ों के लिए महिला के पैर काटे

न्यूज क्राइम फाइल

पैरों में पहने चांदी के कड़े लूटने के लिए बदमाशों ने एक बुजुर्ग महिला के दोनों पैर ही काट दिए। इसके बाद कड़े लूट कर फरार हो गए। घटना सीहोर जिले के आष्टा थाना क्षेत्र के गुराड़िया रूपचंद गांव की है। शुक्रवार शाम को महिला का लहूलुहान शव और कटे हुए पैर खेत के पास नाले में पड़े मिले। आष्टा थाना प्रभारी रवींद्र यादव ने बताया कि बुजुर्ग महिला की पहचान मोतन बाई (75) पति हमीर सिंह के रूप में हुई है। महिला के बेटे ने इस वारदात की सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। महिला ने दोनों पैरों में चांदी के मोटे कड़े पहने हुए थे, उनका वजन और कीमत कितनी थी। अभी इसका पता नहीं लग पाया है। शव को सिविल अस्पताल भिजवाया गया है। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

बेटा खेत पर गया, तब पता चला

थाना प्रभारी ने बताया कि गांव में घर से डेढ़ किलोमीटर दूर महिला का खेत है। दोपहर करीब तीन बजे महिला अकेली खेत पर गई थी। शाम करीब 5 बजे तक घर नहीं लौटी, तो बेटा देखने के लिए खेत पर पहुंचा। यहां मां नहीं दिखी। बेटे ने उसे आसपास तलाशा। खेत के पास में ही नाला है। इसमें देखा, तो मोतन बाई लहूलुहान हालत में पड़ी थी। उसके दोनों पैर वहीं अलग पड़े हुए थे। महिला के चार बेटे हैं। वह खेत पर गेहूं की फसल को देखने गई थी। शाम 5ः 30 बजे लाइट चली गई। बेटा खेत पर पहुंचा, तो खटिया पर चश्मा मिला। जबकि नाले में महिला का शव मिला।

भाजपा ने 2012 के राष्ट्रपति चुनाव में एक आदिवासी, नॉर्थ-ईस्ट से आने वाले पीए संगमा को उम्मीदवार बनाया था, तो 2017 में दलित समाज के रामनाथ कोविंद जी को बनाया।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

अफसर ने महिला कर्मचारी से की गंदी हरकत...

भोपाल में पीड़ित बोली- अकेला पाकर छेड़ा; कहा- मुझसे बात करो, नहीं तो बदनाम कर दूंगा

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में कृषि विभाग के सहायक संचालक मनोज चौधरी पर एक महिला कर्मचारी ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि अधिकारी ने उसे बैड टच किया। महिला की शिकायत पर कोहेफिजा थाना पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी अधिकारी के खिलाफ सेक्सुअल हैरेसमेंट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। छेड़छाड़ की यह घटना शुक्रवार दोपहर में भोपाल कलेक्ट्रेट, पुराना सचिवालय के डी ब्लॉक की है। बताया जा रहा है कि कृषि विभाग के सहायक संचालक ने महिला कर्मचारी को ऑफिस की सीढ़ियों पर अकेला पाकर गंदी हरकत की थी। पीड़िता शुक्रवार देर रात पति के साथ कोहेफिजा थाने पहुंची थी। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी अधिकारी पिछले कुछ सालों में कई महिला कर्मचारियों के साथ गंदी हरकत कर चुका है। वह महिलाओं को चैंबर में बुलाकर बैड टच करता था। इतना ही नहीं महिला कर्मचारियों पर अकेले में मिलने का दबाव भी बनाता था। इसकी इंटरनल विभागीय शिकायत भी की गई थी।

अधिकारी ने धमकाया, बात नहीं करोगी तो बदनाम कर दूंगा

महिला ने पुलिस को शिकायत में बताया कि वह 8 नवंबर को दोपहर करीब एक बजे ऑफिस के काम से ट्रेजरी जा रही थी। एसडीएम हुजूर कार्यालय की सीढ़ियों से नीचे उतरने के दौरान सहायक संचालक कृषि मनोज चौधरी सामने से आए और बुरी नीयत से हाथ पकड़ कर बैड टच किया। महिला ने आरोप लगाया कि मनोज चौधरी इस तरह की हरकत पहले भी कर चुका है। तीन साल से इस तरह का घटनाक्रम चल रहा है। महिला के अनुसार मनोज चौधरी कहता है कि मुझसे बात नहीं करोगी तो मैं तुम्हें बदनाम कर दूंगा।

आरोपी के खिलाफ सेक्सुअल हैरेसमेंट की धाराओं में केस दर्ज

इस मामले में कोहेफिजा पुलिस ने बीएनएस 2023 की धारा 74, 75 और 78 में मामला दर्ज किया है। महिला के पति के अनुसार मनोज चौधरी साल 2016 के पहले से यहां पदस्थ है और कई अन्य महिलाओं को भी वह इस तरह से परेशान कर चुका है।

दिसंबर में मिलेगी एरियर की पहली किस्त, अक्टूबर के डीए की प्रोसेस भी शुरू

कर्मचारियों को डीए का एरियर देने की प्रोसेस तय

न्यूज क्राइम फाइल

आयुक्त कोष एवं लेखा मध्य प्रदेश ने 1 जनवरी 2024 से महंगाई भत्ते (डीए) में 4व की वृद्धि के आधार पर करीब 7.50 लाख कर्मचारियों को 4 समान किस्तों में एरियर देने की प्रोसेस तय कर दी है। एरियर की गणना %एरियर केल्कुलेशन शीट% से की जाएगी। अक्टूबर की किस्त देने की सुविधा जिला कोषालय अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है, जबकि दिसंबर 2024 से मार्च 2025 तक दी जाने वाली किस्तों की सुविधा जल्द उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य शासन के निर्णय अनुसार कर्मचारियों को एरियर की पहली किस्त दिसंबर 2024 में दी जानी है। इसलिए आयुक्त ने कोषालय अधिकारियों से इस पर तेजी से काम करने को कहा है। निर्देश में कहा गया है कि अक्टूबर में देय डीए के एरियर का जेनरेशन करने के लिए%पे-रोल एरियर केल्कुलेशन% (इंटरनल प्रोसेस) का चयन किया जाएगा। दरअसल, शासन ने डीए का नगद लाभ अक्टूबर 2024 से दिया है पर रोशन के त्योहार दिवाली के मद्देनजर अक्टूबर का वेतन 25 से 29 अक्टूबर के बीच ही वितरित कर दिया गया। जबकि डीए देने की घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 28 अक्टूबर को की। इसलिए अक्टूबर को एरियर अलग से दिया जा रहा है। वहीं दिसंबर 2024 और जनवरी, फरवरी, मार्च 2025 में समान किस्तों में डीए का 9 माह का एरियर दिया जाएगा।

इसकी प्रोसेस भी समान रहेगी।

डीडीओ को सूचित करने के निर्देश

आयुक्त कोष एवं लेखा ने जिला कोषालय अधिकारियों से कहा है कि एरिसर देने की प्रोसेस की जानकारी अधिनस्थ कोषालय और विभागों में पदस्थ आहरण संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) को दें। ताकि एरियर की गणना और भुगतान में कोई समस्या न आए।

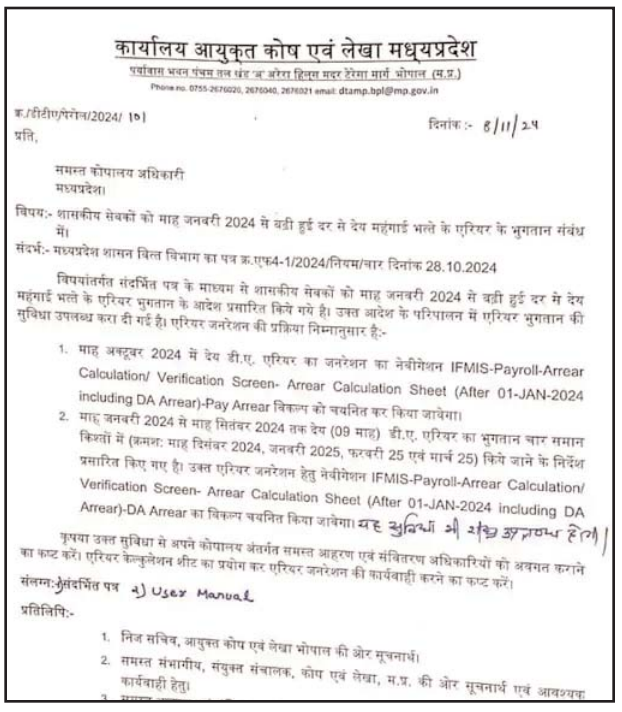

कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा मध्यप्रदेश
पर्यावास भवन पंचम तल खंड 'अ' अरेरा हिल्स मदर टेरेसा मार्ग भोपाल (म.प्र.)
Phone no. 0755-2676020, 2676040, 2676021 email: dtamp.bpl@mp.gov.in

क्र./डीटीए/पेरोल/2024/ 101 दिनांक :- 8/11/24

प्रति,

समस्त कोषालय अधिकारी
मध्यप्रदेश।

विषय:- शासकीय सेवकों को माह जनवरी 2024 से बढ़ी हुई दर से देय महंगाई भत्ते के एरियर के भुगतान संबंध में।

संदर्भ:- मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग का पत्र क्र.एफ4-1/2024/नियम/चार दिनांक 28.10.2024

विषयांतर्गत संदर्भित पत्र के माध्यम से शासकीय सेवकों को माह जनवरी 2024 से बढ़ी हुई दर से देय महंगाई भत्ते के एरियर भुगतान के आदेश प्रसारित किये गये है। उक्त आदेश के परिपालन में एरियर भुगतान की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। एरियर जनरेशन की प्रक्रिया निम्नानुसार है:-

1. माह अक्टूबर 2024 में देय डी.ए. एरियर का जनरेशन का नेवीगेशन IFMIS-Payroll-Arrear Calculation/ Verification Screen- Arrear Calculation Sheet (After 01-JAN-2024 including DA Arrear)-Pay Arrear विकल्प को चयनित कर किया जावेगा।
2. माह जनवरी 2024 से माह सितंबर 2024 तक देय (09 माह) डी.ए. एरियर का भुगतान चार समान किश्तों में (क्रमशः माह दिसंबर 2024, जनवरी 2025, फरवरी 25 एवं मार्च 25) किये जाने के निर्देश प्रसारित किए गए है। उक्त एरियर जनरेशन हेतु नेवीगेशन IFMIS-Payroll-Arrear Calculation/ Verification Screen- Arrear Calculation Sheet (After 01-JAN-2024 including DA Arrear)-DA Arrear का विकल्प चयनित किया जावेगा। यह सुविधा भी शीघ्र उपलब्ध होगी।

कृपया उक्त सुविधा से अपने कोषालय अंतर्गत समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को अवगत कराने का कष्ट करें। एरियर केल्कुलेशन शीट का प्रयोग कर एरियर जनरेशन की कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्न:-1) संदर्भित पत्र 2) User Manual

प्रतिलिपि:-

1. निज सचिव, आयुक्त कोष एवं लेखा भोपाल की ओर सूचनार्थ।
2. समस्त संभागीय, संयुक्त संचालक, कोष एवं लेखा, म.प्र. की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

सूर्य उपासना एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। आशा करता हूं यह त्यौहार आप सभी के जीवन में नवीन ऊर्जा और शक्ति का संचार करे।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

खाद संकट पर पटवारी, सिंघार ने सरकार को घेरा

पूर्व सीएम कमलनाथ बोले- डबल इंजन का नारा जमींदोज, अब प्रदेश में डबल बर्बादी जारी

न्यूज क्राइम फाइल

प्रदेश में डीएपी और यूरिया खाद संकट को लेकर किसानों द्वारा किए जा रहे रतजगा पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मोहन सरकार को घेरा है। कमलनाथ और सिंघार ने एक्स पर लिखा है कि मध्यप्रदेश का किसान खाद संकट से जूझ रहा है और सरकार किसानों को राहत देने की बजाय इवेंट और चुनाव प्रचार में व्यस्त है। वहीं पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने किसानों को खाद के लिए लाइन में लगातार खड़े रखने और लाठियों से पिटवाने का आरोप लगाते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से सवाल किए हैं।

खाद संकट पर पटवारी ने वीडी से पूछे सवाल

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश में खाद संकट पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष से सवाल पूछे हैं। पटवारी ने कहा है कि खाद के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं और बीजेपी के लोग ब्लैक में खाद बेच रहे हैं और 1200 से 1500 रुपए का मुनाफा ले रहे हैं। बुधनी में खाद की भारी किल्लत है। वीडी शर्मा बताएं कि एमपी में डीएपी का कितना आकलन किया था। कितनी यूरिया का आकलन किया था यह भी बताएं कि कितनी यूरिया और डीएपी की डिमांड की गई थी। अगर कम डिमांड की गई थी तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? पटवारी ने कहा कि वे बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा से जवाब चाहते हैं कि पब्लिक डोमेन में इन सवालों के जवाब दें। पटवारी ने कहा कि बीजेपी को वोट मिला है तो बीजेपी के लोग मदमस्त हैं। लोगों की आंखों में मिर्ची न झोंकें। इसके लिए अगर कोई अपराधी है तो वह बीजेपी की सरकार है।

खाद संकट कोई प्राकृतिक आपदा नहीं

कमलनाथ ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से सवाल करते हुए लिखा है कि, खाद का संकट कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है। यह आपकी सरकार की अनदेखी और कृषि विभाग की अधूरी तैयारियों का नतीजा है। सरकार का दायित्व होता है कि किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद बीज की समय से पहले व्यवस्था कर ली जाए, ताकि मांग और पूर्ति का संतुलन बना रहे लेकिन आपकी सरकार नफरत फैलाने और लोगों को लड़ाने में इतना व्यस्त रहती है कि खाद-बीज जैसे जरूरी काम प्राथमिकता में ही नहीं रहते।

सिंघार ने कहा, किसान जाग रहे, सरकार चिर निद्रा में

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर लिखा है कि, एमपी में हर नागरिक किसी न किसी वजह से सरकारी व्यवस्थाओं से नाराज है। डीएपी के बाद अब किसान यूरिया के लिए सोसायटियों के बाहर रात्रि जागरण करने के लिए मजबूर हैं। रबी फसल की बोनी शुरू हो गई और सरकार चिरनिद्रा में है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले सीहोर सहित पूरे प्रदेश के हालात ऐसे ही हैं।

इंदौर में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

इंस्टाग्राम पर हुई थी युवती से दोस्ती, खुद को बताया था पुलिसकर्मी

न्यूज क्राइम फाइल

डकाच्या निवासी दुकानदार ने इंस्टाग्राम पर खुद को सब इंस्पेक्टर बताकर युवती से दोस्ती की। पांच साल संपर्क में रहा और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। युवती को असलियत पता चली तो धमकाने लगा। पुलिस ने युवती की शिकायत पर रेप का केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मल्हारगंज टीआई शिव रघुवंशी के अनुसार 30 वर्षीय महिला ने शिकायत की थी कि 2019 में उसकी इंस्टाग्राम के जरिए दीपक पटेल से दोस्ती हुई थी। दीपक इंदौर के ग्रामीण क्षेत्र डकाच्या का निवासी है। इंस्टाग्राम के जरिए दोनों की पहचान हुई। पहचान दोस्ती में बदली और आगे दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हुआ। पीड़ित महिला का आरोप है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी युवक ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया था। वर्दी में फोटो भेजी थी। पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुष्टि होने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

वीडियो वायरल की धमकी

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने सब इंस्पेक्टर की वर्दी पहना फोटो लगा रखा था। उसने खुद का परिचय देते हुए कहा था वह सब इंस्पेक्टर है। उसके एसआई होने से प्रभावित हुई और साथ घूमने-फिरने लगी। एक साल बाद युवती ने कहा माता-पिता से शादी की बात कर लो। तब वह अपशब्द कहने लगा। इसके बाद 1 साल तक हमारे बीच बात नहीं हुई। मेरे जन्मदिन वाले दिन उसने मेरी बहन को कॉल कर कहा कि तुम्हारी बहन से कहो मुझसे बात करे। दीपक से बात हुई तो बोला तुमने मुलाकात नहीं की तो तुम्हारे निजी फोटो-वीडियो वायरल कर दूंगा। डर कर उससे मिलने लगी और उसका कहा मानने लगी।

पुलिस की स्टाइल में बात करता था आरोपी

दीपक युवती को कभी पुलिस कंट्रोल रूम तो कभी अजाक थाने के पास मिलने बुलाता था और पुलिसिया स्टाइल में बात करता था। एक दिन पता चला दीपक पुलिस में नहीं है तो मेरे परिचित उसे पकड़कर थाने ले गए। आरोपी का कहना है उसका जीजा पुलिस में है, उनकी गैर मौजूदगी में वर्दी पहनकर फोटो खिंचवा लिए थे। आगे की जांच की जा रही है।

भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी जी के साथ बिताए पलों का स्मरण कराती यह तस्वीर,आपके जन्मदिन पर आपके शतायु एवं आरोग्य मय जीवन की मंगल कामना है।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

आईसीयू में पति के सामने

पत्नी की बॉडी डोनेट

बगल वाले बेड से ब्रेनडेड पत्नी को मांग भरकर विदा किया; किडनी और आंखें दान

न्यूज क्राइम फाइल

एक महिला के ब्रेन डेड होने के बाद उसकी दोनों किडनी और आंखें दान की गईं। इसके लिए इंदौर में शुक्रवार शाम को दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। दोनों किडनी अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती मरीजों को ट्रांसप्लांट की गईं। यह इंदौर में बनाया गया 58वां ग्रीन कॉरिडोर था। यह अंगदान रुला देने वाला रहा। दरअसल पति-पत्नी भाई दूज पर एक हादसे में घायल हो गए थे और हॉस्पिटल में पास-पास ही एडमिट थे। शुक्रवार को पति ने ब्रेन डेड पत्नी की किडनी और आंखें डोनेट करने की इच्छा जताई। साथ ही हॉस्पिटल में ही उसकी मांग पर सिंदूर भरकर आखिरी विदाई दी। यह दृश्य देखकर हर किसी की आंखें डबडबा गईं।

एक्सीडेंट में घायल हुई महिला, बाद में हुआ ब्रेन डेड

जिस महिला के अंगदान किए गए, उनका नाम मनीषा पति भूपेंद्र राठौर (44), निवासी शाजापुर है। 3 नवंबर को भाई दूज के दिन वे अपने पति के साथ इंदौर में रहने वाली ननद के यहां आईं थी। लौटते समय मक्सी रोड पर हुए हादसे में मनीषा गंभीर रूप से घायल हो गई थीं, जिसके बाद उन्हें सीएचएल अस्पताल में भर्ती किया गया। यहां हालत बिगड़ती गई और 6 नवंबर को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने 7 नवंबर को उन्हें विधिवत ब्रेन डेड घोषित किया।

एक किडनी 5 मिनट तो दूसरी 7 मिनट में पहुंचाई गई

ऑर्गन्स को-आर्डिनेटर जीतू बगानी और संदीपन आर्य ने बताया कि अंगदान का हर मामला चुनौतीपूर्ण होता है। इस मामले में 72 घंटे की कोशिश के बाद यह अंगदान हो पाया। इसमें सीएचएल हॉस्पिटल के सीईओ मनीष गुप्ता, डॉ. निखिलेश जैन और कोऑर्डिनेटर मनीषा बगानी ने परिजन की सहमति के बाद प्राथमिकता के आधार पर तैयारियां शुरू की। पहला ग्रीन कॉरिडोर सीएचएल हॉस्पिटल से राजश्री अपोलो हॉस्पिटल तक बना। शुक्रवार शाम 6.45 बजे एम्बुलेंस से किडनी भेजी गई जो अपोलो राजश्री हॉस्पिटल में 6.52 बजे पहुंच गई। दूसरा कॉरिडोर भी 6.45 बजे सीएचएल हॉस्पिटल से बना और किडनी 6.50 बजे एमिनेंट हॉस्पिटल पहुंचा दी गई और ट्रांसप्लांट शुरू हो गया।

मनीषा भूपेंद्र राठौर

अंगदान जागरूकता के पोस्टर्स लगे, रथ में शवयात्रा

शाजापुर में परिवार और समाज के लोग मनीषा के अंगदान से इतने प्रेरित हुए कि उन्होंने शाजापुर में कई जगहों पर अंगदान जागरूकता के पोस्टर्स लगाए हैं और लोगों से अपील की है कि वे भी अंगदान के लिए आगे आएं। इसके साथ ही मनीषा की अंतिम यात्रा रथ में निकाली गई। यह यात्रा आदर्श कॉलोनी से शुरू हुई जो टंकी चौराहे होते हुए महुपुरा, सोमवारिया बाजार नई सड़क होते हुए श्मशान घाट पहुंचेगी। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हैं।

पति और बेटी ने कहा- अंगदान से बेहतर कुछ नहीं

महिला के पति भूपेंद्र राठौर शिक्षक हैं, जबकि बेटी पुणे में एक आईटी कंपनी में काम करती है। दोनों का कहना है कि लगातार हो रहे अंगदान से प्रेरित होकर उन्होंने यह फैसला लिया। अंगदान से किसी को नया जीवन मिलना, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। लोगों को इसके लिए आगे आना चाहिए।

जीएसटी पोर्टल पर व्यापारियों के लिए नया ऑप्शन

न्यूज क्राइम फाइल

जीएसटी काउंसिल की अनुशंसा पर जीएसटी एक्ट में परिवर्तन करके सरकार द्वारा 1 नवंबर से जीएसटी के कुछ प्रावधानों में बदलाव किए गए हैं। इसके साथ ही इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने के लिए पोर्टल में इनवॉइस मैनेजमेंट सिस्टम के तहत एक नई व्यवस्था लागू की गई है। इन सभी परिवर्तनों पर चर्चा के लिए टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन एवं सीए इंदौर शाखा द्वारा संयुक्त रूप से एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सीए उमेश गोयल ने बताया कि सरकार द्वारा करदाताओं को वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक धारा 73 के अंतर्गत की गई कर की मांग पर जीएसटी कानून में नई धारा 128 का समावेश करके इस पर ब्याज एवं पेनल्टी से छूट प्रदान की गई है। इसके लिए पोर्टल पर फॉर्म भरकर 31 मार्च 2025 तक टैक्स का भुगतान कर यह छूट प्राप्त की जा सकती है। इसी प्रकार, वर्ष 2017-18 से 2020-21 तक इनपुट टैक्स क्रेडिट देरी से लेने पर उसे अमान्य करके डिमांड जारी की गई थी। अब उसे मान्य करने के लिए एक नई धारा 16(5) एवं 16(6) को अधिसूचित किया गया है। करदाता द्वारा एक फॉर्म में इसकी पूरी जानकारी देने पर अधिकारी उसकी जांच करके उस मांग को समाप्त करने का आदेश जारी कर सकते हैं।

नए सिस्टम के तहत हर बिल का मिलान करना होगासीए यश खंडेलवाल ने बताया कि जीएसटी के अंतर्गत शुरुआत में ही इनपुट क्रेडिट के बिल का मिलान करके उसकी क्रेडिट लेने के प्रावधान लाए गए थे, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे तब लागू नहीं किया जा सका। अब 7 साल बाद इनवॉइस मैनेजमेंट सिस्टम लाया गया है। पहले क्रेडिट की कुल राशि से मिलान किया जाता था, लेकिन अब हर बिल का मिलान करना होगा। इस नए सिस्टम के तहत करदाता को फॉर्म 2क्र में दिख रही क्रेडिट को स्वीकार, अस्वीकृत या होल्ड पर रखने के विकल्प में से किसी का चुनाव करना अनिवार्य होगा। इसी पर क्रेडिट प्राप्त होगी और रिटर्न फाइल हो सकेगा।

एक धारा के तहत होगी कार्रवाई, पहले दो धाराएं थी

सीए कृष्ण गर्ग ने कहा कि अभी तक किसी भी प्रकार की मांग के लिए कर चोरी करने पर धारा 74 और अन्य दशाओं में धारा 73 के तहत कार्यवाही की जाती थी। इन दोनों धाराओं के लिए कार्यवाही की समय सीमा भी अलग थी, लेकिन 1 नवंबर से लागू अधिसूचना के बाद अब दोनों स्थितियों को मिलाकर एक नई धारा 74 लाई गई है। इसके अनुसार, संबंधित वर्ष की वार्षिक विवरणी फाइल करने की अंतिम तिथि से 42 माह के भीतर ही नोटिस जारी किया जा सकेगा। इसका प्रभाव यह हुआ है कि धारा 73 के अंतर्गत यह समय सीमा 33 माह से बढ़कर 42 माह और धारा 74 के अंतर्गत 54 माह से घटकर 42 माह हो गई है। सीए सुनील पी जैन ने कहा कि रिवर्स चार्ज के अंतर्गत सरकार द्वारा अब सेवाओं या माल की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर सेल्फ इनवॉइस बनाना अनिवार्य कर दिया गया है।

झारखंड के बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के भुरकुण्डा में भाजपा प्रत्याशी श्री रोशन लाल चौधरी जी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड मतों से विजय दिलाने की अपील की।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

लॉरेंस गैंग के निशाने पर पुणे का बड़ा नेता था

संदीप कुमार सिंह

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले लॉरेंस गैंग के निशाने पर पुणे का एक बड़ा नेता भी था। बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच ने इस बात का खुलासा किया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक लॉरेंस गैंग ने अपने शूटर्स को इस नेता की हत्या करने की जिम्मेदारी दी थी। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि बाबा सिद्दीकी को मारने के लिए लॉरेंस गैंग ने प्लान क्र बनाया गया था। जिन शूटर्स को इस प्लान B में शामिल किया गया था, उन्हें बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद पुणे के नेता को मारने की जिम्मेदारी दी गई थी। क्राइम ब्रांच ने बताया कि इस साजिश का पर्दाफाश तब हुआ जब उन्हें वह पिस्तौल बरामद हुई, जिससे इस हत्या को अंजाम दिया जाना था। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आरोपियों ने इस नेता की रेकी की थी या नहीं। हालांकि, पुलिस ने नेता के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। पुलिस ने सिद्दीक मर्डर केस से जुड़े एक और आरोपी को गिरफ्तार किया बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को एक शूटर को गिरफ्तार किया। इस आरोपी शूटर का नाम गौरव विलास अपुने (23) है। गौरव विलास बाबा सिद्दीकी की हत्या के प्लान क्र का हिस्सा था। क्राइम ब्रांच ने बताया कि सिद्दीकी की हत्या के मास्टरमाइंड शुभम लोनकर ने 28 जुलाई को आरोपी गौरव को एक और आरोपी रूपेश मोहोल के साथ फायरिंग की प्रैक्टिस करने झारखंड भेजा था। उन्हें हथियार भी दिए गए थे। दोनों आरोपी 29 जुलाई को पुणे लौट आए थे। लौटने के बाद उन्होंने शुभम से कॉन्टैक्ट किया था। क्राइम ब्रांच फायरिंग प्रैक्टिस की सटीक जगह का पता लगा रही है। पुलिस का दावा- आरोपियों को 25 लाख रुपए, दुबई ट्रिप का वादा किया गया था शुक्रवार को पुलिस ने बताया कि मर्डर को अंजाम देने के लिए गिरफ्तार 18 आरोपियों में से 4 आरोपियों को 25 लाख रुपए कैश, कार, फ्लैट और दुबई ट्रिपकई इनाम देने का वादा किया गया था। साजिश में शामिल रामफूलचंद कनौजिया (43) ने रूपेश मोहोल (22), शिवम कुहड़ (20), करण साल्वे (19) और गौरव अपुने (23) को ये इनाम देने का वादा किया था। 12 अक्टूबर की रात NCP अजित गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की बांद्रा बेटे

जीशान के ऑफिस के बाहर हत्या कर दी गई थी। बाबा सिद्दीकी कांग्रेस के टिकट पर 3 बार बांद्रा से विधायक बने थे। फरवरी में कांग्रेस छोड़कर अजित पवार के साथ जुड़े थे। शुभम लोनकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी बाबा सिद्दीकी के मर्डर के 28 घंटे बाद शुभम लोनकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। इसमें लॉरेंस गैंग और अनमोल को हैश टैग किया गया था। सिद्दीकी मर्डर की जिम्मेदारी गैंग ने ली थी। धमकी दी गई थी कि सलमान की किसी ने मदद की तो उसे छोड़ेंगे नहीं।

गरीब के यहां शादी में नहीं जाते, तार के पीछे खड़े गरीब बच्चे उनसे झिझककर मिलते हैं

राहुल बोले- मोदी अंबानी के घर जाते हैं

न्यूज क्राइम फाइल

राहुल गांधी ने शनिवार को झारखंड के बाघमारा और जमशेदपुर में कहा- मोदी जी अंबानी की शादी में जाते हैं, लेकिन किसी गरीब के यहां शादी में नहीं जाते। एक बार मैंने देखा कि वे तार के पीछे खड़े गरीब बच्चों से झिझककर मिले रहे थे। हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री गरीबों, किसानों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों के पास जाते ही नहीं हैं। इससे पता चलता है कि वो आपके नहीं हैं। राहुल ने कहा- हिंदुस्तान में युवा और महिलाएं दुखी हैं। देश में महंगाई बढ़ती है तो सबसे ज्यादा चोट हमारी माताओं-बहनों को लगती है। नरेंद्र मोदी ने हर चीज पर GST जोड़ दिया है। टैक्स का पूरा ढांचा देश के गरीब लोगों से पैसा लेने का तरीका है। देश में करीब 50% OBC, 15% दलित, 8% आदिवासी और 15% अल्पसंख्यक वर्ग के लोग हैं। लेकिन आपको देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में OBC, दलित और आदिवासी

वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा। मैंने मोदी जी से साफ कह दिया है- आप जातिगत जनगणना को रोक नहीं सकते हैं। हम इसी संसद में जातिगत जनगणना को पास करके दिखाएंगे और आरक्षण में 50% की दीवार को तोड़ देंगे। झारखंड में हम आदिवासियों को 28%, दलितों को 12% और पिछड़े वर्ग को 27% आरक्षण देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी बड़े-बड़े भाषण करते हैं। बड़े-बड़े प्लेन में उड़ते हैं। लेकिन बोझ आम आदमी को उठाना पड़ता है। मोदी जी गरीबों से हाथ मिलाने से भी कतराते हैं। वो अंबानी और अडानी के साथ जाएंगे, लेकिन गरीब दलितों, पिछड़ों से मिलना तक नहीं चाहते। 90 अफसर हिंदुस्तान के बजट को बनाते हैं। लेकिन इन नब्बे अफसरों में से केवल एक आदिवासी अफसर है। पीएम मोदी ने आपके बच्चों का कितना कर्ज माफ किया? एक रुपया भी नहीं। उन्होंने 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया। अडानी और अंबानी जैसे 25 लोगों की कांग्रेस-इंडिया एलायंस ने तय किया है कि जितना पैसा इन लोगों ने अरबपतियों को दिया है, उतना पैसा हम आपके बैंक खाते में डालेंगे। चुनाव जीतने के बाद इंडिया अलायंस आपको 20 लाख रुपए देगा।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623